Subject :- Sociology Date :- 27/04/2020
Class :- D-I(H) Paper :- Ist & Subsidiary
Topic :- सामाजिक परिवर्तन के प्रौद्योगिकीय कारक
By :- Dr. Shyamanand Choudhary Guest Teacher
Marwari College, Darbhanga, 9507941619

सामाजिक परिवर्तन के प्रौद्योगिकीय कारक

Online Study Material No :- (53)

Gillin & Gillin के अनुसार सामाजिक परिवर्तन अनेक कारकों का परिणाम है, किंतु सामाजिक परिवर्तन के कारकों में प्रौद्योगिकीय कारक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्रौद्योगिकी वह ज्ञान या साधन है जिसके माध्यम से हम जीवन के लिए उपयोगी वस्तुओं को प्राप्त करते हैं। वर्तमान युग में प्रौद्योगिकीय शक्ति सर्व प्रमुख शक्ति मानी जाती है। यही कारण है कि वर्तमान युग को प्रौद्योगिकी का युग की संज्ञा दी जाती है। इसमें परिवर्तन होने के पश्चात् समाज के प्रायः सभी क्षेत्रों में परिवर्तन होती है। कुछ प्रमुख प्रौद्योगिकीय कारकों द्वारा उत्पन्न परिवर्तन के आधार पर सामाजिक परिवर्तन में प्रौद्योगिकीय कारकों की भूमिका को स्पष्ट किया जा रहा है :-

(1) यंत्रीकरण एवं सामाजिक परिवर्तन → वर्तमान युग यंत्रीकरण का युग है। इससे हमारी मनोवृत्तियों, विश्वासों, आदतों, आदर्शों, मूल्यों, सामाजिक सम्बन्धों की प्रकृति, सामाजिक नियंत्रण के साधनों, स्त्रियों की स्थिति, पारिवारिक जीवन, वैवाहिक जीवन, जाति प्रथा, जजमानी व्यवस्था आदि में परिवर्तन लाकर सामाजिक परिवर्तन की स्थिति उत्पन्न की है। मशीनों के अविष्कार के कारण परम्परागत कार्य करने के ढंग परिवर्तित हुए हैं। यंत्रीकरण ने शारीरिक शक्ति के महत्व को कम करके प्रशिक्षण एवं आधुनिक ज्ञान के महत्व को बढ़ा दिया है। प्रेशर कुकर, गैस चूल्हा, कपड़े धोने की मशीन, मिक्सी आदि का अविष्कार होने के कारण स्त्रियों को न केवल सुविधा प्राप्त हुई है बल्कि कार्यों को जल्द सम्पन्न करने में भी सहायता मिली है। समय की बचत होने के कारण स्त्रियाँ अपने बचे हुए समय का उपयोग घर से बाहर करने लगी हैं। अर्थात् वे नौकरी करने लगी है। नौकरी के कारण वे स्वयं में आत्मनिर्भर हो गई है, और पुरुषों के शोषण से भी बच गई है। साथ में परिवार में उसकी स्थिति पहले से उच्च हो गया है। जहाँ कल तक पारम्परिक काल में व्यक्ति रहता था वहीं आज यंत्रीकरण के कारण भौतिकवादी विचारों में रहता है। फलस्वरूप प्राथमिक सम्बन्धों की जगह द्वैतियक सम्बन्ध बन गया है।

(2) कृषि की नवीन प्रविधियाँ और सामाजिक परिवर्तन → यह कारक प्रौद्योगिकीय कारक के दूसरी कारक है। वर्तमान युग में कृषि के क्षेत्र में

नवीन प्रविधियों का प्रयोग हो रहा है। आजकल फसल बोने, फसल काटने खेतों की जोताई करने, सिंचाई करने, पशुओं का चारा काटने आदि के लिए नए-नए मशीनों और यंत्रों का प्रयोग किया जा रहा है। साथ ही रासायनिक खादों, कीटनाशक दवाओं तथा उन्नत किस्म के बीजों का प्रयोग करने की तरफ किसानों का ध्यान केन्द्रित हुआ है। फलस्वरूप एक तरफ उत्पादन में वृद्धि हुई है और लोगों के रहन-सहन के स्तर में सुधार हुआ है तो दुसरी तरफ बेरोजगारी की समस्या को बढ़ावा मिला है।

(3) परिवहन और संचार के नए साधन तथा सामाजिक परिवर्तन → परिवहन या यातायात के साधनों के विकास के कारण स्थानीय दूरी का अब कोई महत्व नहीं रह गया है, क्योंकी चन्द समय में ही एक स्थान से दुसरे स्थान पर पहुँचना अब आसान हो गया है। परिवहन के साधनों के विकास के कारण न केवल सामाजिक गतिशीलता में वृद्धि हुई है बल्की एक ही रेलगाड़ी और बस में सफर करने के कारण जाति प्रथा और धर्म के परम्परागत बन्धन ढ़ीले पड़ गए हैं। इसी तरह संचार के विभिन्न साधनों जैसे- डाक, तार, टेलीफोन, रेडियो, चलचित्र, टेलीविजन आदि ने भी सामाजिक परिवर्तन की स्थिति उत्पन्न करने में योगदान दिया है। ऑगबर्न ने केवल रेडियो के अविष्कार के कारण उत्पन्न होने वाले 150 परिवर्तनों का उल्लेख किया है। इसी तरह चलचित्रों तथा टेलीविजन ने परम्परागत नैतिकता, संयुक्त परिवारों, विवाह की रुढ़िगत पद्धतियों, जाति प्रथा और अस्पृश्यता की संस्था पर गंभीर आघात करके नयी आदतों, आदर्शों और मूल्यों को प्रतिस्थापित करने में योगदान दिया है। इसी तरह संचार के साधनों ने एक तरफ स्त्रियों की स्थिति में सुधार लाने में योगदान दिया है तो दुसरी तरफ यौन अपराध तथा अन्य विभिन्न तरह के अपराधों को बढ़ावा देने में भी योगदान दिया है।

(4) अणु शक्ति और सामाजिक परिवर्तन → अणुशक्ति भी प्रौद्योगिकीय कारक का प्रमुख कारक है। ये भी सामाजिक परिवर्तन की स्थिति उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। अणुशक्ति एक तरफ उत्पादन, चिकीत्सा और विद्युत निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है वहीं दुसरी तरफ विनाशकारी अस्त्रों का निर्माण करके युद्ध की विभिषिका को बढ़ावा दिया है जिससे सम्पूर्ण मानव जाति का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है। विनाशकारी अस्त्रों का संग्रह करने

Scanned with CamScanner

लगा है। फलस्वरूप आर्थिक तथा अन्य तरह का विकास अवरुद्ध हुआ। अंतर्राष्ट्रीय युद्ध में नरसंहार के साथ-साथ आर्थिक क्षति की भी हानि उठानी पड़ती है।

(5) प्रौद्योगिकीय ज्ञान और सामाजिक परिवर्तन → प्रौद्योगिकीय ज्ञान के फलस्वरूप मनुष्य ने अनेक प्राकृतिक रहस्यों को समझने में सफलता प्राप्त कर ली है। एवं धार्मिक विश्वासों और कर्मकांडों का प्रभाव धीरे-धीरे कम होने लगा।

इस कारक के कारण उत्पन्न परिवर्तन को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है:-

(क) प्रत्यक्ष परिवर्तन एवं (ख) अप्रत्यक्ष परिवर्तन

(क) प्रत्यक्ष परिवर्तन → श्रम का नवीन संगठन, विशेषीकरण में वृद्धि, सामाजिक सम्बन्धों का विस्तार, गाँवों का नगरीकरण, गतिशीलता में वृद्धि, व्यापारिक उतार-चढ़ाव, बेकारी की समस्या, ऊँचे रहन-सहन का स्तर, सांस्कृतिक मिश्रण आदि प्रौद्योगिकीय कारकों द्वारा उत्पन्न होने वाले परिवर्तन प्रत्यक्ष परिवर्तन के उदाहरण हैं।

(ख) अप्रत्यक्ष परिवर्तन → प्रतिस्पर्द्धा, अपराधों में वृद्धि, भौतिकवाद, पारिवारिक तनाव, विवाह विच्छेद, धर्म और प्रथाओं के महत्व में कमी, नैतिकता में परिवर्तन आदि अप्रत्यक्ष परिवर्तन के उदाहरण हैं।

अमेरिकन समाजशास्त्री W. F. Ogburn ने सामाजिक परिवर्तन में प्रौद्योगिकीय के महत्व को दर्शाते हुए लिखा है कि "Technology changes society by changing man's environment to which, we in turn, adapt" इसी तरह जर्मनी के महान चिन्तक Karl Marx के अनुसार "प्रौद्योगिकी समाज की धुरी है।" (Technology is the Wheel of Society) फिर इन्होंने लिखा "भौतिक जीवन में उत्पादन की प्रणाली सामाजिक, राजनीतिक और आध्यात्मिक जीवन की प्रक्रियाओं की सामान्य प्रकृति को निर्धारित करती है।" (The mode of production in material life determines the general character of the Social, Political & Spiritual processes.

उपर्युक्त वर्णन से सामाजिक परिवर्तन में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश पड़ता है। किंतु इसका अर्थ यह नहीं कि 'Technology' ही सामाजिक परिवर्तन का एक मात्र कारक है। लेपियर (Lepiere) ने भी इस सम्बन्ध

Scanned with CamScanner

A

में लिखा है कि "हम इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि सामाजिक व्यवस्था में प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण स्थान है, लेकिन यह विचार कि यह कारक सभी सामाजिक परिवर्तनों का एकमात्र आधार है, पूर्णतया भ्रमपूर्ण है।"

A. W. Green ने भी अपनी पुस्तक 'Sociology' में लिखा है कि "यद्यपि प्रौद्योगिकी ने सामाजिक परिवर्तन में ज्यामितीय दर से वृद्धि की है, लेकिन यह कारक अकेले ही सामाजिक परिवर्तन उत्पन्न नहीं कर सकता।"

अतः कहा जा सकता है कि प्रौद्योगिकी कारक सामाजिक परिवर्तन के कारक में से एक प्रमुख कारक है किंतु एक मात्र कारक नहीं (Technology is one of the factors of Social change, but not the only factor)

S. N. Choudhary
Marwari college
L. N. M. U

Scanned with CamScanner